Re : Expeditious completion of construction of Dugarpur Medical College-laid

श्री राजकुमार रोत **(**बांसवाड़ा**) :** मैं डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज निर्माण में हुई गंभीर लापरवाही पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । 2014 में मंजूर हुआ यह कॉलेज 2022 में पूर्ण होना था, परंतु सरकार की मॉनिटरिंग की कमी के कारण राजमेस और एनबीसीसी कंपनी ने गंभीर लापरवाही की है । इससे डूंगरपुर जिले की आम जनता को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है और पिछले 5 वर्षों में कई मरीजों को जान गंवानी पड़ी है । यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहां कोई आवाज नहीं उठा पाता, जिससे अधिकारी और ठेकेदार को कार्यवाही का डर नहीं है । इन दोषी अधिकारियों पर शीघ्र कार्यवाही की जाए और मेडिकल कॉलेज का काम जल्द पूरा कर आम जन को राहत पहुंचाई जाए । यह डूंगरपुर के लोगों की सेहत और जीवन-मरण का सवाल है । कॉलेज में लाखों रुपये की जांच मशीनें खराब पड़ी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा । मरीजों को छोटी-छोटी जांच के लिए भी बाहर जाना पड़ता है । केंद्र सरकार से अनुरोध है कि अनियमितता की जांच के लिए एक कमेटी गठित की जाए और दोषियों पर कार्यवाही कर अधूरे काम को जल्द पूरा करने की तिथि तय की जाए । इससे डूंगरपुर जिले की जनता को राहत मिलेगी ।